ोग चूंकि भर दिया गया इस वास्ते उनको सब याद करते हैं और याद करके रोते हैं। उस रोग के ऊपर उन्होंने अपना ग्रन्थ लिखा। दशरथ को याद किया जाता है तो अपने बाप को याद कर रोते हैं। कभी तुल ीदास की रामायण को याद करके कोई नहीं रोता है। भरत और राम का किस्सा चलता है, सीता और राम का किस्सा चलता है तो भाई और पत्नी को याद करके आदमी रोता है, या आनन्दित होता हैं। इसलिए वह जो ंत्य था वह रातों रात प्रचलित हो गया। कहने का मतलब यह है कि देश का यह सब रोग, मानस स्थिति, पाप, सब चीज आज भी उसी तरह से चल रही है। कांग्रेस पार्टी चली गई जनता पार्टी आई गई यह नई बोतल और पुरानी शराब वाली बात है। शराब को नहीं बदला गया है। जिसके पेट में दर्द है वही जब तक देश का नेता ऊपर आ कर नहीं बैठेगा या उसको नहीं बिठाया जाएगा कभी भी देश में कोई भी क्रान्तिकारी काम नहीं हो सकेगा, यह मेरा दावा है। देश में किसी भी प्रकार का कोई परिवर्तन नहीं हो सकेगा इस तरह से आंसू बहाने से, इस तरह के भाषण दे देने से और यह कह देने से कि यह सुविधा इनके लिए बढ़ाई जाएं, पैसा इनको दिया जाए। आज तक करोड़ों रुपया आपने इन पर खर्च किया है लेकिन कितना हरिजन वैलफेयर आप कर सके हैं, उस कौम के मन में कितना आपने उत्साह भरा है? सब से बड़ी बात यह है कि क्रान्ति का जब कभी बिगुल बजेगा तो वह खेतीहर मजदूर, हलवाहा, हरिजन आदि जब यह सोच लेगा, आदिवासी सोच लेगा, पिछड़ा वर्ग सोच लेगा कि जुल्म इस देश की जमीन से निकला है, जुल्म इस देश में इस देश के लोगों ने उस पर किया है, वह भी इंसान है, उसको भी जीने का और इज्जत के साथ जीने का हक है, तब ही इस देश में कोई रेवोल्यूशन या कोई क्रान्ति सफल हो सकेगी। इसके बगैर कितने ही पैसे आप दे दें सब चर जायेंगे, सब खा जायेंगे और यहां आ कर आप घड़ियाली आंसू बहायेंगे और उसका कोई नतीजा नहीं निकलेगा। यह इसलिए मैं कह रहा हूं कि तीस साल तक हमारे देश में वोट की राजनीति चली है और इसका जो पाप है वह हम को भुगतना होगा। यदि आपने उनके पेट के दर्द को महसूस नहीं किया उसका उपचार न ीं किया, उनकी मानस स्थिति को ऊंचा नहीं उठाया तो आप याद रखें कि एक एक पाई, एक-एक छदाम आपको चुकाना होगा, देना होगा।

तो मेरा कहना है कि जो रुपया खर्च किया जाता है, सारी चीजें खर्च की जाती हैं, यह सारी चीजें जो हैं वह सब इस देश के बदमाश लोग ले लिया करते हैं। कांग्रेस पार्टी ने 30 वर्ष में क्या किया? उसने हरिजनों और आदिवासियों के वोटों की खरीददारी के चलते इस देश की हरिजन कौम को एक चीचड़ बनाया और कई तरह के कमल उगाये हर प्रदेश में, और तमाम हरिजनों की कीचड़ पर 30 वर्ष तक इस देश की राजनीति चलायी है। माननीय जगजीवन राम के नाम पर कांग्रेस वालों ने सरकार चलायी। आपने 30 वर्ष तक उनके नाम पर हरिजनों को धोखा दिया है। यह जो रिपोर्ट आयी है इस रिपोर्ट के चलते. . .

उपाध्यक्ष महोदय : माननीय यादव जी, अब आप सोमवार को बोलियेगा।

We have now to start the non-official business.

Mr. Nirmal Chandra Jain.

15.30 hrs.

COMMITTEE ON PRIVATE MEMBERS' BILLS AND RESOLUTIONS

FOURTH REPORT

SHRI NIRMAL CHANDRA JAIN (Seoni): Sir, I beg to move:

"That this House do agree with the Fourth Report of the Commit-

[Shri Nirmal Chandra Jain]

tee on Private Members' Bills and Resolutions presented to the House on the 27th July, 1977."

MR. DEPUTY-SPEAKER: The question is:

"That this House do agree with the Fourth Report of the Committee on Private Members' Bills and Resolutions presented to the House on the 27th July, 1977."

The motion was adopted.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Before we take up the Lokpal Bill of Mr. P. K. Deo, there are some bills to be introduced. Now Mr. Chandrappan.

15.30½ hrs.

CONSTITUTION (AMENDMENT) BILL*

(Amendment of article 324)

SHRI C. K. CHANDRAPPAN (Cannanore): I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Constitution of India.

MR. DEPUTY-SPEAKER: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Constitution of India."

The motion was adopted.

SHRI C. K. CHANDRAPPAN: I introduce the Bill.

15.31 hrs.

CONSTITUTION (AMENDMENT) BILL*

(Amendment of article 16)

SHRI C. K. CHANDRAPPAN (Cannanore): I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Constitution of India.

MR. DEPUTY-SPEAKER: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Constitution of India."

The motion was adopted.

SHRI C. K. CHANDRAPPAN: I introduce the Bill.

15.31½ hrs.

CONSTITUTION (AMENDMENT) BILL*

(Amendment of article 326)

SHRI C. K. CHANDRAPPAN (Cannanore): I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Constitution of India.

MR. DEPUTY-SPEAKER: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Constitution of India."

The motion was adopted.

SHRI C. K. CHANDRAPPAN: I I introduce the Bill.

15.32 hrs.

CONSTITUTION (AMENDMENT) BILL*

(Amendment of articles 81 and 82)

SHRI C. K. CHANDRAPPAN (Cannanore): I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Constitution of India.

---

*Published in Gazette of India Extraordinary, Part II, section 2, dated 29-7-77.